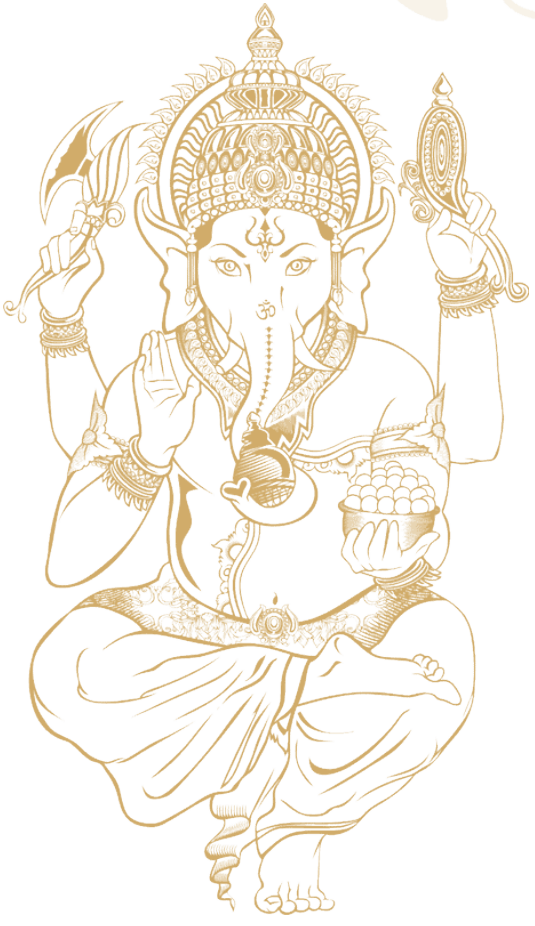

# Devesh Sharma

# Titiksha Sharma

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119603403

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 09/11/2000 | जन्म तिथि | 25/05/2002 |
| गुरुवार | दिन | शनिवार |
| घंटे 14:30:00 | जन्म समय | 21:20:00 घंटे |
| घटी 20:28:34 | जन्म समय(घटी) | 39:04:28 घटी |
| India | देश | India |
| Hyderabad | स्थान | Hyderabad |
| 17:22:00 उत्तर | अक्षांश | 17:22:00 उत्तर |
| 78:26:00 पूर्व | रेखांश | 78:26:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:16:16 | स्थानिक संस्कार | -00:16:16 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:18:34 | सूर्योदय | 05:42:12 |
| 17:41:43 | सूर्यास्त | 18:44:20 |
| 23:51:50 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:53:08 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बुध 10वर्ष 11मा 26दि | | 26:24:54 | कुंभ | लग्न | धनु | 16:32:53 | गुरु 4वर्ष 10मा 27दि | |
| शुक्र | | 23:24:11 | तुला | सूर्य | वृष | 10:22:23 | शनि | |
| 06/11/2018 | | 21:22:51 | मीन | चंद्र | तुला | 29:14:33 | 22/04/2007 | |
| 06/11/2038 | | 09:23:35 | कन्या | मंगल | मिथु | 04:14:58 | 22/04/2026 | |
| शुक्र | 07/03/2022 | 06:13:30 | तुला | बुध व | वृष | 12:51:56 | शनि | 25/04/2010 |
| सूर्य | 08/03/2023 | 14:43:56 | वृष व | गुरु | मिथु | 21:26:04 | बुध | 02/01/2013 |
| चन्द्र | 05/11/2024 | 01:40:06 | धनु | शुक्र | मिथु | 12:13:01 | केतु | 11/02/2014 |
| मंगल | 05/01/2026 | 04:26:47 | वृष व | शनि | वृष | 22:39:12 | शुक्र | 13/04/2017 |
| राहु | 05/01/2029 | 23:36:48 | मिथु व | राहु व | वृष | 23:57:04 | सूर्य | 26/03/2018 |
| गुरु | 06/09/2031 | 23:36:48 | धनु व | केतु व | वृश्चिक | 23:57:04 | चन्द्र | 25/10/2019 |
| शनि | 06/11/2034 | 23:06:42 | मक | हर्ष | कुंभ | 04:55:17 | मंगल | 03/12/2020 |
| बुध | 06/09/2037 | 10:05:55 | मक | नेप व | मक | 17:03:20 | राहु | 10/10/2023 |
| केतु | 06/11/2038 | 17:55:06 | वृश्चिक | प्लूटो व | वृश्चिक | 22:43:24 | गुरु | 22/04/2026 |

लग्न-चलित

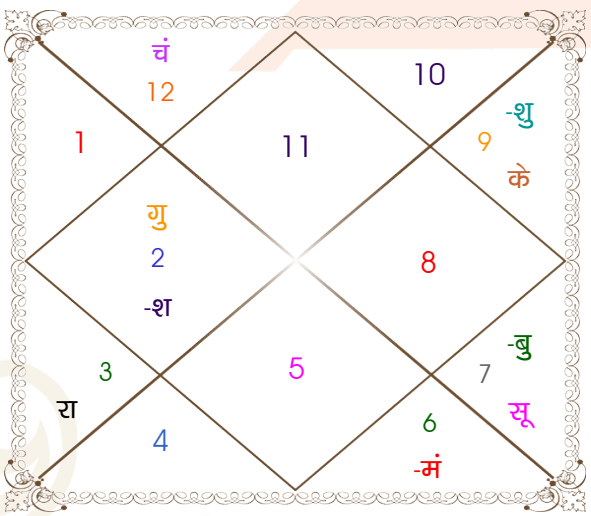




लग्न-चलित

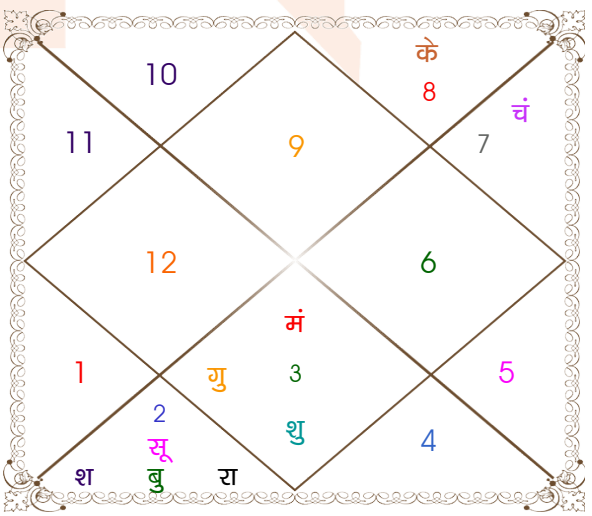




**Pandit Chidamber Mishra**
9246159232

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | विप्र | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | जलचर | मानव | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | विपत | मित्र | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | गज | व्याघ्र | 4 | 1.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शुक्र | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | मीन | तुला | 7 | 0.00 | हाँ | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 6.00 | | |

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि क्मअर्मोंीतउं का नक्षत्र रेवती है।

क्मअर्मोंीतउं का वर्ग सर्प है तथा ज्पजपर्मोंीतउं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअर्मोंीतउं और ज्पजपर्मोंीतउं का मिलान ठीक नहीं है।

## मंगलीक दोष मिलान

क्मअर्मोंीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ज्पजपर्मोंीतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ज्पजपर्मोंीतउं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों

में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ज्पजर्पोी ींतउं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्मअर्मी ींतउं तथा ज्पजर्पोी ींतउं में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।